# त्रैमासिक परीक्षा 2018-2019

## हिन्दी

**कक्षा : IX**

**समय : 3 घंटे 15 मिनट** **पूर्णांक : 80**

---

**खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्ड 'ब' से किन्हीं चार प्रसंगों के उत्तर लिखें। गद्य एवं पद्य से एक-एक प्रसंग करना अनिवार्य है।**

### खण्ड "अ" (भाषा – 40 अंक)

**1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संक्षिप्त प्रस्ताव लिखें।** **[15]**

(क) "परिश्रम और अभ्यास ही सफलता की कुंजी है।"

(ख) विद्यालय की ओर से गए पर्वतीय स्थल की यात्रा के दौरान रास्ता-भटक जाने तथा समूह से विछड़ने व फिर मिल जाने के अनुभव का संक्षेप में वर्णन करें।

(ग) एक जिम्मेदार पुलिस अधिकारी को कैसा होना चाहिए ? यदि आप पुलिस अधिकारी होते तो आपकी कार्य योजना क्या होती ? वर्णन करें !

(घ) 'बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए' इस लोकोक्ति के आधार पर एक लघु मौलिक कथा लिखें।

(ङ) किसी घटना अथवा प्रसंग का वर्णन करें जिसका अंतिम वाक्य हो ..... "शायद वह कोई फरिश्ता ही था, जिसने मेरी मदद की।"

*{Turn Over}*



Downloaded From www.icseboard.org

2. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें :** [7]

(i) आपका मित्र किसी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विशेष रूप से चुना गया है और विदेश जा रहा है। अपनी शुभकामनाएँ देते हुए उसे एक पत्र लिखें।

(ii) कक्षा में होने वाली आये दिन की चोरी की घटना की सूचना देते हुए प्रधानाचार्या को एक पत्र लिखें तथा इस संदर्भ में उचित कार्यवाही करने का आग्रह करें।

3. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों का यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर दें :-**

संध्या का समय था। पाँच वर्षीय बालक यश सड़क पर चला जा रहा था। आस पास अंग्रेज अधिकारियों के बँगले थे। एक बँगले से कुछ मुर्गियाँ निकलीं। यश मुर्गियों से खेलने लगा। इतने में बँगले से एक गोरी-चिट्टी मेम निकल कर बाहर आई और यश को मुर्गियों से खेलते देखकर आग-बबूला हो गई। उसने यश को फटकारा।

यश को बुरा लगा। उसने भी मेम को मुँह तोड़ जवाब दे दिया। अब तो मेम आपे से बाहर हो गई। एक मामूली से हिन्दुस्तानी लड़के की यह हिम्मत कि वह अंग्रेज़ मेम को उलटा जवाब दे ?

वह यश को मारने के लिए झपटी। बदले में यश ने भी उसे घूँसा दिखाया और भागकर पास के कारखाने में जा छिपा। बात यहीं पर खत्म नहीं हुई। उन दिनों यश अपनी माँ के साथ एक रिश्तेदार के यहाँ ठहरा हुआ था। मेम ने वहाँ शिकायत भेजी। अँग्रेजों के भय के कारण माँ ने यश को उसके दुस्साहस पर बुरी तरह से पीटा। बस, उसी दिन से यश के मन में अँग्रेजों के प्रति घृणा उत्पन्न हो गई और



Downloaded From www.icseboard.org

उसके हृदय में यह बात जमकर बैठ गई कि अपने देश में मान-सम्मान के साथ जीने के लिए हमें अँग्रेजों को मार भगाना होगा।

यश का पूरा नाम यशपाल था। उनकी पढ़ाई-लिखाई नेशनल कॉलेज, लाहौर में हुई। वहाँ उनका परिचय सरदार भगत सिंह, भगवती चरण बोहरा और सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों से हुआ। ये लोग भी ब्रिटिश साम्राज्य के विरूद्ध थे और देश को स्वतंत्र कराना चाहते थे। आगे चलकर ये लोग क्रांतिकारियों के संगठन 'हिन्दुस्तान समाजवादी प्रजातन्त्र सेना' के सदस्य बन गये।

भगत सिंह और चन्द्रशेखर आज़ाद के शहीद हो जाने के बाद यशपाल जी क्रांतिकारी दल के कमांडर - इन - चीफ बनाये गये। 22 जनवरी 1932 को वे इलाहाबाद के एक मकान से गिरफ्तार कर लिए गए और उन्हें चौदह वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।

यशपाल जी को बचपन से ही साहित्य से लगाव था। जेल-जीवन में उन्होंने लेखनी को अपना साथी बनाया। वे निश्चय कर चुके थे कि बाकी जीवन वे साहित्य-साधना में लगाएँगे। सन् १९३८ में जेल से छूटने पर वे तन-मन से साहित्य सेवा में लग गये और आगे चलकर उन्होंने हिन्दी के मूर्धन्य लेखक के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त की। उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'तेरी मेरी उसकी बात' पर उन्हें साहित्य अकादमी का पुरस्कार भी दिया गया।

प्रश्न (क) अंग्रेज महिला के क्रोध का क्या कारण था ? [2x5=10]

प्रश्न (ख) माँ ने बालक यश की पिटाई क्यों की ? उसकी बालक पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

Downloaded From www.icseboard.org

प्रश्न (ग) यशपाल की शिक्षा-दीक्षा कहाँ हुई ? वहाँ उनका परिचय किन-किन लोगों से हुआ ?

प्रश्न (घ) यशपाल को कितने वर्षों की सज़ा मिली और क्यों ?

प्रश्न (ङ) यशपाल जी की साहित्य-साधना कब शुरू हुई ? उन्हें कौन-सा पुरस्कार मिला और क्यों ?

**4. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखें :-** [1]

कल्पवृक्ष, कुबेर, चांदनी, जीभ

**5. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विलोम शब्द लिखें :-** [1]

नित्य, दूषित, प्रख्यात, प्रलय

**6. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक से वाक्य बनाएँ :-** [1]

गुदड़ी का लाल, घड़ों पानी पड़ जाना,
घाट-घाट का पानी पीना ।

**7. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्द-समूहों के स्थान पर एक-एक शब्द का प्रयोग करें :-** [2]

(क) ऐसे व्यक्ति जो कम बोलते हों, कर्मशील होते हैं ।

(ख) भगवान श्री कृष्ण ने आशा से अधिक धन-सम्पत्ति देकर सुदामा की मित्रता का मूल्य चुकाया।

**8. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलें :-** [3]

(क) वह आटा पिसाने चक्की पर गया। (वाक्य शुद्ध करें)



Downloaded From www.rseboard.org

(ख) साधु आगे बढ़ गया। (लिंग बदलें)

(ग) वहाँ बुढ़िया अपने पुत्र के साथ रहती थी। (वचन बदलें)

## खण्ड "ब" (साहित्य 40 अंक)

## साहित्य सागर – गद्य भाग

**9. "घर से खत आया है, बच्चे बीमार हैं और रूपया नहीं है।"**

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ किसने, किससे और क्यों कही ? [3]

(ख) उपर्युक्त पंक्ति का श्रोता कौन है ? उसने वक्ता की मदद किस प्रकार की ? [3]

(ग) रसीला किससे आँखें नहीं मिल पा रहा था और क्यों ? [2]

(घ) बाबू जगत सिंह कौन थे ? उनकी स्वभाव गत विशेषताओं का वर्णन करें। [2]

**OR**

**9. "अभी सच और झूठ का पता चल जाएगा।**
**अब सारी बात हलवाई के सामने ही कहना।"**

(क) वक्ता तथा श्रोता का संक्षिप्त परिचय दें। [3]

(ख) वक्ता यहाँ किस बात की जिक्र कर रहे हैं ? ऐसी क्या बात हुई थी, जिसके कारण श्रोता को हलवाई के पास ले जाने की धमकी दी जा रही थी ? [3]

(ग) उपर्युक्त घटना का क्या परिणाम हुआ ? आपके अनुसार किसे सज़ा मिलनी चाहिए थी ? [2]

(घ) प्रस्तुत कहानी से मिलने वाली सीख पर प्रकाश डालें। [2]

Downloaded From www.icseboard.org

10. **सेठ मानो आसमान से गिरे। भूखे को अन्न देना सभी का कर्त्तव्य है। उसमें यज्ञ जैसी क्या बात !"**

(क) "आसमान से गिरे' इस मुहावरे का क्या अर्थ है ? इस का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है ? स्पष्ट करें ? [3]

(ख) सेठ कौन हैं ? वे कहाँ और क्यों जा रहे थे ? [3]

(ग) सेठ के साथ रास्ते में कौन-सी घटना घटी थी? संक्षेप में बताएँ। [2]

(घ) अर्थ लिखें :- क्रय-विक्रय, विपद ग्रस्त, याचना, आद्योपांत [2]

11. **"पत्नी की मृत्यु के बाद विश्वेश्वर अन्यमनस्क रहा करते थे। 'अच्छा, मँगा दूँगा, कह कर वे उदास भाव से कहीं और चले गए।"**

(क) विश्वेश्वर कौन थे ? वे किसे और क्या मँगा देने की बात कह रहे थे ? समझाकर लिखें। [3]

(ख) श्रोता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दें ? [3]

(ग) श्रोता जिस वस्तु की मांग कर रहा था वह उसे किस प्रकार प्राप्त हुई ? संक्षेप में बताएँ। [2]

(घ) वक्ता की पत्नी कौन थी ? उसकी मृत्यु के बाद श्रोता ने क्या किया था ? संक्षेप में बताएँ। [2]

## साहित्य सागर – पद्य भाग

12. **काँकट पाथर जोरि कै मसजिद लई बनाय ।**
**ता चढ़ि मुल्ला बाँग दे, क्या बहरा हुआ खुदाय ।।**
**पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूँ पहार ।**
**ताते ये चाकी भली, पीस खाय संसार ।।**



Downloaded From www.icseboard.org

(क) कवि कबीर दास जी ने मुल्ला की तुलना किससे और क्यों की है ? वर्णन करें ! [3]

(ख) कवि ने 'चाकी' को भली क्यों कहा है ? क्या आप उनकी बात से सहमत हैं ? समझाकर लिखें। [3]

(ग) कवि श्री कबीर दास जी का संक्षिप्त परिचय दें। [2]

(घ) अर्थ लिखें :- पाथर, खुदाय, पाहन, पहार [2]

13. **लेकिन विघ्न अनेक अभी**
**इस पथ पर अड़े हुए हैं**
**मानवता की राह रोककर**
**पर्वत अड़े हुए हैं।**
**न्यायोचित सुख सुलभ नहीं**
**जब तक मानव-मानव को**
**चैन कहाँ धरती पर तब तक**
**शांति कहाँ इस भव को ?**

(क) उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की रचना है ? इस कविता का मुख्य भाव क्या है। संक्षेप में लिखें। [3]

(ख) कवि ने मानवता की राह को रोकने वाला 'पर्वत' किसे कहा है? इसे किस प्रकार हटाया जा सकता है? समझाकर लिखें। [3]

(ग) 'शांति कहाँ इस भव को' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [2]

(घ) अर्थ लिखें : विघ्न, सुलभ, न्यायोचित, भव । [2]

14. **वह आता –**
**दो टूक कलेजे के कटता पछताता पथ पर आता।**



Downloaded From www.icseboard.org

**पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक**
**चल रहा लकुटिया टेक**
**मुट्ठी भर दाने को, भूख मिटाने को**
**मुँह फटी-पुरानी झोली का फैलाता -**
**टो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।**

(क) पठित कविता के आधार पर भिखारी की दयनीय स्थिति का संक्षेप में वर्णन करें। [3]

(ख) 'भिक्षुक' के कवि का नाम बताएँ तथा कविता का उद्देश्य स्पष्ट करें। [3]

(ग) प्रस्तुत कविता के आधार पर भारतीय सामाजिक विषमता के विषय में अपने विचार प्रस्तुत करें। [2]

(घ) अर्थ लिखें :-
टूक, लकुटिया, पछताता, पथ। [2]

Downloaded From www.bseboard.org